वार्षिक प्रतिवेदन

2008-09

सिनर्जी संस्थान

गणेष चौक हरदा, मध्यप्रदेश

Email: synergysansthan@gmail.com

Website: www.synergysansthan.engo.in

प्रस्तावना

सिनर्जी संस्थान, विगत 4 वर्षो से मध्यप्रदेश के हरदा जिले के वनवासी व दुर्गम क्षैत्रो में सामाजिक विकास के क्षैत्र में प्रयासरत है। संस्थान बच्चों, महिलाओ, दलित एवं वंचित वर्ग के सर्वागीण विकास के प्रति प्रतिबद्व है। संस्थान एक स्वैच्छिक संस्था है, जो समेकित पद्धति से बच्चों के सर्वागीण विकास के क्षैत्र में कार्य करती है। सिनर्जी संस्थान समाज में बच्चों को उनके सर्वागींण विकास के लिए समुचित अवसर मिले, उनके साथ किसी प्रकार का भेदभाव ना हो, के लिए जमीनी स्तर पर कार्यरत है।

बच्चों के सर्वागीण विकास को ध्यान में रखते हुए संस्थान बाल श्रम उन्मूलन, महिला स ाक्तिकरण, स्वास्थ्य, शिक्षा, प्राकृतिक संसाधनो के प्रबंधन, आपदा प्रबंधन और आजीविका के मुद्‌दों पर कार्य कर रही है। इन सब मुद्‌दो में अनुसुचित जाति, अनुसूचित जनजाति, वंचित वर्ग एवं पहुॅंच से दूर ग्रामो को प्रमुख रूप से भाामिल कर कार्य करना अपनी रणनीति में प्रमुख रूप से शामिल किया है।

संस्थान ने अपने लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए समुदाय आधारित विकास, अधिकारो की जागरूकता, पैरवी, प्रि ाक्षण आदि को अपने कार्यो में प्रमुख रूप भाामिल करने की पहल की है। युवाओ को सामाजिक परिवर्तन प्रेरक मानते हुए सिनर्जी संस्थान युवाओ के साथ सिनर्जी रूप से कार्य करने की सोच को लेकर बाल केन्द्रित से कार्य कर रहीं है। यहां पर वर्ष 2008 एवं 2009 की गतिविधिओ को संक्षिप्त रूप आपके समक्ष रखा जा रहा है।

अध्यक्ष

सिनर्जी संस्थान, हरदा

संस्था को जिला स्तर का सम्मान

26 जनवरी 2010 को हरदा जिले मे उत्कृष्ट कार्य हेतु सम्मानित किया गया। जिले मे पंचायती राज मे महिलओ की भागीदारी को सूनिश्चित करने, सामुदायिक स्वच्छता अभिप्रेरण, युवाओं के समाजिक कार्य मे दिशा प्रदान करने एवं आपदा प्रबंधन कार्य मे समुदाय को अभिप्रेरित करने के कार्य के लिए सम्मानीत किया गया । 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस सम्माहारो मे हरदा जिले के प्रभारी मंत्री, पुर्व मुख्य मंत्री एवं शहरी विकस एवं नगरीय प्रशासन मंत्री श्री बाबुलाल जी गौर के द्वारा प्रमाण पत्र जिला कलेक्टर की उपस्थिति मे दिया गया। जिसके लिए सिनर्जी संस्थान की टीम के सदस्यो को बधाई के पात्र है। जिनके सहयोग से ही यह सम्मान संस्थान को दिया गया है। संस्थान के सम्मान महत्पूर्ण नहीं है किन्तु संस्थान से जुडे स्वयं सेवको की कार्य क्षमता विकास के लिए यह कार्य निश्चित ही बल प्रदान करने वाला है। सम्मान के लिए पुनः संस्थान से जुड़े स्वयं सेवको को बधाई एवं यह प्रमाण पत्र संस्थान उन्हीं को संर्पित करती है।

सचिव

सिनर्जी संस्थान, हरदा

पंचायती राज सशक्तिकरण

स्वीप (चुनावी प्रक्रियाओ में महिलाओ की सशक्त भागीदारी) अभियान

परियोजना के उद्धेश्य

- पंचायत चुनाव में महिलाओ की भागीदारी बढ़ाने एवं मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रेरित करना।
- पंचायत चुनाव में महिला प्रतिनिधियों के लिए सहयोगी वातावरण का निर्माण करना।
- पंचायत चुनाव में जागरूकता एवं महिलाओ की भागीदारी के लिए मीडिया की भूमिका बढ़ाना।

परियोजना क्षैत्र

चुनावी प्रक्रियाओं में महिलाओं की **सशक्त** भागीदारी हेतु अभियान परियोजना का क्रियान्वयन हरदा जिले के टिमरनी वि.ख. की 10 पंचायतो में किया गया। अभियान हेतु जिन पंचायतो का चयन किया गया था उन पंचायतो में संस्थान की पूर्व से दखल थी।

<u>परियोजना की गतिविधियॉं</u>

क्र.	गतिविधि	संख्या
1	सामुदायिक बैठक	20
2	दीवार लेखन	300
3	पम्पलेट्स	5000
4	जागरूकता कारवॉं	5
5	डेमो कैम्प	12
6	पोस्टर्स	2400
7	फलेक्स	5 सेट
8	चिन्हित महिलाओं का प्रशिक्षण	1
9	मीडिया कार्यशाला	2
10	सांझा मंच बैठक	2

अभियान के द्वारा चुनावी प्रक्रियाओं में महिलाओं की ज्यादा से ज्यादा भागीदारी

रणनीतियां:-

समुदाय स्तर पर गठित युवा समुह, महिला स्व सहायता समूह, पूर्व महिला पंच-सरपंच के साथ कार्य करना।

- **प्रमुख उपलब्धियां:-**

1. कार्य क्षैत्र से अनारक्षित सीट पर एक महिला उम्मीदवार का खड़ा होना।

2. **18** अनारक्षित एवं मुक्त सीटो पर महिला पंचो ने उम्मीदवारी जताई।

3. **16** अनारक्षित एवं मुक्त सीटो पर महिला उम्मीदवार जीत कर आई।

4. महिलाओं का विकास के नाम पर वोट मॉंगने निकलना।

5. मीडिया द्वारा पंचायत चुनाव के दौरान आरक्षण की स्प टता एवं महिला नेतृत्व संबंधी खबरों का प्रकाशन।

6.महिलाओं का प्रस्तावक, मतदान एवं मतगणना एजेन्ट के रूप में निकलकर आना। जहॉ अभियान क्षेत्र में **2005** के चुनाव में एक भी महिला प्रस्तावक/मतदान एवं मतगणना एजेन्ट के रूप में नहीं थी वहीं इस चुनाव के दौरान ४ महिलाओ की भागीदारी रहीं।

7. अभियान क्षेत्र के कुल मतदान प्रति**श**त में वृद्धि।

- **अपनायी गई मूल्यांकन पद्वतियांः-**

➢ चुनावी प्रक्रियाओ में भागीदार बनी महिलाओं का साक्षात्कार

➢ अभियान की गतिविधयों का वीडियो

➢ अभियान की रिपोर्टिग

➢ आंतरिक एवं ब्राहय मूल्याकंन

- **मूल्यांकन निष्कर्ष**

➢ समन्वय की समस्यॉ (शासकीय तंत्र, जिला एवं राज्यस्तर पर)

➢ दबंग व्यक्तियो का दबाव

➢ चुनाव का जमीनी स्तर पर राजनीतिकरण

➢ सीमित संसाधन

- **मीडिया संवादः** पंचायत में महिलाओं की आवाज को **सशक्त** करने के लिए **शासकीय**, गैर **शासकीय** प्रयासो को और अधिक **सशक्त** रूप प्रदान करने के लिए मीडिया की भी एक प्रभावी भूमिका हो सकती है। मीडिया की भूमिका को ध्यान में रखते हुए संस्थान ने जिले में पंचायतो में महिलाऍं एवं मीडिया

विशय पर जिला स्तरीय मीडिया संवाद **कार्यशालाओं** का आयोजन किया। वर्श में संस्थान के द्वारा द् हंगर प्रोजेक्ट के सहयोग से 2 जिला स्तरीय मीडिया संवाद कार्यक्रमो का आयोजन किया गया।

- **फॉलो अप बैठकः** संस्थान ने महिला **सशक्तिकरण** को प्रमुंख रूप से अपने कार्यक्रमो में भाामिल किया गया है। इसी **कार्यक्रम** में संस्थान के द्वारा पूर्व **वर्ष** में महिला पंच-सरपंचो हेतुं आयोजित की गई महिला नेतृत्व **कार्यशाला** का आयोजन किया गया था। **कार्यशाला** की प्रतिभागियों के साथ वर्श में 2 फीड बैक बैठको का आयोजन किया गया। बैठको में 45 महिलओं ने भागीदारी की।

बाल विकास/शिक्षा के क्षैत्र में

बाल विकास एवं शिक्षा संस्थान के प्रमुख क्षैत्रो में से एक है। बाल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत संस्थान ने 18 **वर्ष** से कम के सभी बच्चो को भाामिल किया है। संस्थान के द्वारा **वर्ष** में **अप्रवेशी, शालात्यागी** बच्चों विशेषकर बालिका शिक्षा को लेकर सामुदायिक जागरूकता पर फोकस करते हुए कार्य किया गया। सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से संस्थान ने सीधे तौर पर पांच पंचायतो को भाामिल किया। इन पंचायतो में बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए निम्न प्रयास किए गयेः-

नुक्कड़ नाटकः संस्था ने सामुदायिक जागरूकता के लिए नुक्कड़ सभा कों एक **सशक्त** माध्यम माना है जो सीधे समुदाय को जोड़ता है। नुक्कड़ नाटको के लिए संस्थान ने ग्रामीण क्षैत्र के युवाओ के समूह को तैयार किया है। इन युवा समुहो द्वारा पांच पंचायतो में अप्रवेशी, भाला त्यागी बच्चो को विद्यालय की मुख्य धारा से जोड़ना एवं बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने पर आधारित नुक्कड़ नाटको का आयोजन किया गया। पांच पंचायतो के सभी ग्रामो में नुक्कड़ नाटको का आयोजन वर्श में दो बार किया गया।

समुदाय आधारित आपदा प्रबंधन परियोजना

समुदाय आधारित आपदा प्रबंधन कार्ययोजना निर्माण परियोजना को सिनर्जी संस्थान, हरदा के द्वारा, हरदा जिले के 25 आपदाग्रस्त ग्रामो के लिए चलाया जा रहा हैं। परियोजना का क्रियान्वयन आपदा प्रबंधन संस्थान एवं युनीसेफ, भोपाल के सहयोग से किया जा रहा है।

यहां पर योजना निर्माण करने की प्रक्रिया को चरणबद्ध रूप से बताया जा रहा है। जो कि योजना निर्माण करने मे उपयोग की जा रही हैः-

समुदाय के प्रमुख जिम्मेदार एवं क्रियाशील व्यकितयों का उन्मुखीकरण ;Orientation of active person / leader of villages) :-

उपरोक्त समस्त व्यक्तियों से व्यक्तिक संपर्क पश्चात् समय एवं जगह निर्धारित कर परियोजना के उद्देश्य एवं विभिन्न पहलुओं पर उन्मुखीकरण किया गया।

सामुदायिक बैठक :-

ग्राम के प्रमुख लोगों से बैठक के पश्चात् गांव में रात्रि विश्राम कर सामूदायिक बैठके की गयी जिसमें गॉव की आपदा, परियोजना के उद्देश्य एवं विभिन्न पहलुओं के संबंध में चर्चा की गयी।

जागरूकता कार्यक्रम: (Awareness Programs)_:-

1. **दीवार लेखन**: Wall writing**) :- जागरूकता हेतु नारों का लेखन किया गया।**

2. **आईईसी सामग्री का वितरण**: (Distribution of IEC material)_:- मासिक कैलेण्डर का वितरण किया जा रहा है जिसमें विभिन्न आपदाओं के समय क्या करें एवं क्या न करें संबंधी निर्देश को प्रचार किया गया ।

3. **गीत एंव भजन के माध्यम से जागरूकता**: (Awareness through local songs and bhajans) :- समुदाय के ही स्थानीय भजन मण्डलों को प्रेरित कर आपदा व्रबंधन संबंधी भजनों को तेयार कर भजन एवं गीतों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है ।

महिला एवं बच्चे हेतु विशेष जागरूकता (Special attention to women and children) :- परियोजना क्षेत्र के समस्त ग्राम बाढ से प्रभावित है। अतः महिलाओं को तैरना सीखे इस हेतु महिलाओं को प्रेरित किया जाता है ।

एचआईवी/एड्सः संस्थान ने क्षैत्र की आव यकता एवं जागरूकता के अभाव में युवाओ के तेजी से एचआईवी की गिरफत में बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए जिले में जन जागरूकता हेतु अभियान को अपने प्रमुख कार्यक्रमो में भाामिल किया है। संस्थान के द्वारा वर्श में एचआईवी/एड्स विशय पर जन जागरूकता हेतु कई गतिविधियों का संचालन किया गया।

स्वच्छता के लिए कार्यक्रम-

संस्थान के द्वारा स्वच्छता को एक विशय के रूप में अपने कार्यक्रमो मे भाामिल किया है। संस्था के द्वारा वर्श मे 3 ग्राम पंचायतो को स्वच्छता के दुश्टिकोण से जन समुदाय जागरूक हो विभिन्न कार्य किए गये। स्वच्छता सीधे व्यक्ति **विशिष्ट** से जुड़ा हुआ विशय है इस हेतु संस्थान ने अधिक से अधिक जन समुदाय से विशय पर संवाद स्थापित करने हेतु विभिन्न सामुदायिक कार्यक्रमो को माध्यम बनाया। इन सामुदायिक कार्यक्रमो में निम्न प्रमुख थेः-सामुदायिक बैठक, नुक्कड नाटक, रैली, भाालेय स्वच्दता कार्यक्रम, **कार्यशाला**, **प्रशिक्षण**, दीवार लेखन, साफ-सफाई का कार्य।

संस्थान के द्वारा इन तीन पंचायतो में बहुंत ही सघन रूप से कार्य किया गया। इन तीन ग्राम पंचायतो में से 1 ग्राम पंचायत को निर्मल ग्राम पुरूस्कार के लिए भी चुना गया।

जैव विविधता संरक्षण प्रशिक्षण परियोजना
हितग्राही- ग्राम एवं जनपद स्तरीय जैव विविधता प्रबंधन समिति
सहयोग- जनपद पंचायत टिमरनी

मध्यप्रदेश जैव विविधता बोर्ड के निर्देशानुसार जिला पंचायत, नगर पालिका, नगर पंचायत, जनपद पंचायत एवं ग्राम पंचायत स्तर पर जैव विविधता संरक्षण एवं प्रबंधन समिति का गठन किया गया है, सिनर्जी संस्थान के द्वारा समितियो को जैव विविधता प्रबंधन एवं संरक्षण विषय पर ज्ञान एवं क्षमता वृद्धि कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

बी.टी. कॉटन (जी. एम. फसल) के प्रभावो का अध्ययन एवं बीज स्वराज्य अभियान
परियोजना क्षेत्र- हरदा, खंडवा, बड़वानी एवं खरगोन जिले मे
सहयोग- संपर्क, झाबुआ एवं स्वीस एड, पुने
अध्ययन कार्य-

सामान्य पौधों की कोशिकाओ में एक अलग किस्म का जीन डालकर जी. एम. खाधान्नों का सृजन किया जाता है। बी. टी. कॉटन भी जी. ए म. फसल है। इस फसल का हमारे पर्यावरण एवं किसानो की लागत एवं लाभ पर एवं फसल के उत्पादन पर क्या असर हुआ इसका अध्ययन करना है। अध्ययन के उद्धेश्य- मध्यप्रदेश में एक ही किसान के द्वारा पिछले पांच सालो से बी. टी. फसल उत्पादन के प्रभावो का अध्ययन करना।

जागरूकता कार्यक्रम-

सामुदायिक बैठक

सामुदायिक बैठक को विषय आधारीत वर्तालाप के रूप में करने के लिऍ संस्थान के कार्यकर्ताओं के द्वारा कृषि की वर्तमान दशा को लेकर चर्चा प्रारंभ की गई । चर्चा के दौरान ग्रामीण कृषको ने कपास उत्पादन के बारे मे बताया की पिछले वर्षो की तुलना में कपास का उत्पादन घट गया हैं एवं दवा छिड़काव भी अधिक करना पड़ता हैं। इन सब का ग्रामीणों से **कारण पुछनें पर**, ग्रामीणों के द्वारा बताया गया की ज़मिन की शक्ति कम हो गई हैं। क्यों की अब गोबर का खाद हम नहीं

डाल पाते हैं। उक्त कारणों को ग्रामीणों की ओंर से विस्त्रत रूप से दोहराया गया।
जब संस्थान के स्वयंकार्य कार्यकर्ताओं के द्वारा ग्रामीणों से बीटी कपास के बीज निर्माण की विधि के बारे में पुछा गया तो, ग्रामीणों ने उत्तर दिया की यह नया बीज हैं/ हमे नहीं पता । बीटी कपास के बताने से पहले संस्थान के द्वारा बीज स्वराज अभियान का परिचय दिया गया।

✓ पोस्टर प्रदर्शन

पोस्टर को दिवाल पर चस्पा करने से पहले पोस्टर के बारे में ग्रामीणों को बताया गया जिससे पोस्टर के प्रति ग्रामीणों की संवेदनशीलता को बढ़ाया जा सकें। पोस्टर प्रदर्शन के दौरान बीटी बीज निमार्ण के बारे में कार्यकर्ताओं के द्वारा ग्रामीणों को विस्त्रत रूप से बताया गया। पोस्टर प्रदर्शन के दौरान पोस्टर के प्रत्येक बिन्दु को मौखीक रूप से ग्रामीणों के समक्ष रखा गया ।

✓ दिवाल पर चस्पा किया गया

संस्थान के द्वारा पोस्टर के पुर्ण उपयोग एवं अधिक लोगो तक बीटी कपास की वास्तविकतों को पंहुचाने के सामुदायिक स्थानो, सरकारी भवनो एवं सोसाईटी (PDS Shop) कार्यलय की दिवारो पर चस्पा किया गया एवं ग्रामीण किसानो को पोस्टर संबंधी जिज्ञासा को बताया गया।